

Dr. Sarita Devi
Assistant Professor
Department of Psychology
Maharaja college, Ara

मधुमेह के मनोवैज्ञानिक कारक (Psychological Factors of Diabetes)

मधुमेह (Diabetes) केवल एक शारीरिक रोग नहीं है, बल्कि यह मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। कई मनोवैज्ञानिक कारक मधुमेह के विकास, नियंत्रण और प्रबंधन को प्रभावित कर सकते हैं। यदि इन कारकों पर ध्यान नहीं दिया जाए, तो यह रोगी के लिए गंभीर समस्याएँ खड़ी कर सकते हैं।

1. मधुमेह के विकास में योगदान देने वाले मनोवैज्ञानिक कारक

(क) पुराना तनाव (Chronic Stress)

- लगातार तनाव (work stress, family stress) से कोर्टिसोल और एड्रेनालिन हार्मोन बढ़ते हैं, जो इंसुलिन प्रतिरोध (Insulin Resistance) को बढ़ा सकते हैं।
- तनाव के कारण भावनात्मक भोजन (Emotional Eating), अधिक मीठे और वसायुक्त खाद्य पदार्थों का सेवन बढ़ सकता है, जिससे टाइप 2 डायबिटीज़ का खतरा बढ़ जाता है।
- तनाव के कारण कुछ लोग शारीरिक गतिविधि कम कर देते हैं, जिससे वजन बढ़ सकता है और मधुमेह होने की संभावना बढ़ती है।

(ख) अवसाद (Depression) और मधुमेह का संबंध

- अध्ययन बताते हैं कि मधुमेह के मरीजों में अवसाद 2 से 3 गुना अधिक पाया जाता है।
- अवसादग्रस्त व्यक्ति आमतौर पर स्वयं की देखभाल (Self-care) में लापरवाही करने लगते हैं, जिससे ब्लड शुगर का संतुलन बिगड़ जाता है।
- अवसाद की वजह से कुछ लोग ओवरईटिंग (Overeating) करने लगते हैं, जिससे वजन और ब्लड शुगर बढ़ सकता है।



(ग) चिंता (Anxiety) और मधुमेह प्रबंधन

- मधुमेह से जुड़े जोखिम और जटिलताओं के बारे में सोचकर कई मरीजों में चिंता विकार (Anxiety Disorder) विकसित हो सकता है।
- मरीज हाइपोग्लाइसीमिया (Hypoglycemia - ब्लड शुगर का कम होना) से डर सकते हैं, जिससे वे अत्यधिक मीठा खाने लगते हैं और इससे ब्लड शुगर बढ़ सकता है।
- कुछ मरीज अत्यधिक चिंता के कारण डॉक्टर के पास जाना या ब्लड शुगर की जांच करवाना टालते रहते हैं।

(घ) डायबिटिक डिस्ट्रेस (Diabetic Distress)

- जब मरीज मधुमेह प्रबंधन की निरंतरता (Continuous Management) से थक जाता है और खुद को हताश महसूस करता है, तो इसे डायबिटिक डिस्ट्रेस कहा जाता है।
- यह स्थिति विशेष रूप से उन लोगों में होती है जो लंबे समय से मधुमेह से जूझ रहे हैं और बार-बार अपनी जीवनशैली में बदलाव करने से परेशान हो चुके होते हैं।
- इसके कारण व्यक्ति मधुमेह की दवाइयाँ लेना बंद कर सकता है, अनियमित आहार ले सकता है, और अपनी हेल्थ की अनदेखी कर सकता है।

2. मधुमेह प्रबंधन में बाधा बनने वाले मनोवैज्ञानिक कारक

(क) आत्म-प्रेरणा की कमी (Lack of Motivation)

मधुमेह के लिए नियमित व्यायाम, स्वस्थ आहार और दवाइयों का सही समय पर सेवन बहुत जरूरी होता है। लेकिन कुछ लोग प्रेरणा की कमी के कारण सही आदतें नहीं अपना पाते, जिससे उनका शुगर लेवल असंतुलित रहता है।

(ख) अस्वस्थ मुकाबला तंत्र (Unhealthy Coping Mechanisms)

कुछ लोग मधुमेह से जुड़े तनाव और भावनाओं से बचने के लिए धूम्रपान (Smoking), अल्कोहल (Alcohol) या ज्यादा खाना (Binge Eating) शुरू कर देते हैं। यह व्यवहार न केवल मधुमेह को और बिगाड़ सकता है, बल्कि अन्य स्वास्थ्य समस्याएँ (जैसे हाई ब्लड प्रेशर और हृदय रोग) भी बढ़ा सकता है।

(ग) नींद की समस्या (Sleep Disorders)

तनाव, अवसाद और चिंता के कारण कई मधुमेह रोगियों को नींद संबंधी परेशानियाँ होती हैं। नींद की कमी से शरीर में इंसुलिन प्रतिरोध (Insulin Resistance) बढ़ सकता है, जिससे ब्लड शुगर नियंत्रण में कठिनाई हो सकती है।



3. मधुमेह के लिए प्रभावी मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप (Effective Psychological Interventions for Diabetes)

(क) संज्ञानात्मक-व्यवहार थेरेपी (Cognitive Behavioral Therapy - CBT)

- यह तकनीक मरीज को नकारात्मक विचारों को पहचानने और उन्हें बदलने में मदद करती है।
- इससे मधुमेह से जुड़े तनाव, चिंता और अवसाद को कम किया जा सकता है।
- यह थेरेपी मरीज को स्वस्थ आदतें अपनाने और अपनी जीवनशैली में सुधार करने में मदद कर सकती है।

(ख) तनाव प्रबंधन तकनीक (Stress Management Techniques)

- मेडिटेशन (Meditation) और प्राणायाम (Pranayama) तनाव को कम करने में सहायक हो सकते हैं।
- योग (Yoga) से मानसिक शांति मिलती है और ब्लड शुगर का स्तर नियंत्रित रहता है।
- म्यूजिक थेरेपी (Music Therapy) और रचनात्मक गतिविधियाँ (जैसे पेंटिंग, लेखन) भी सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं।

(ग) प्रेरक साक्षात्कार (Motivational Interviewing)

यह तकनीक व्यक्ति को स्वास्थ्य सुधार के लिए प्रेरित करने में मदद करती है। मधुमेह रोगी को उनकी नकारात्मक धारणाओं को दूर करने और खुद की देखभाल करने के लिए प्रेरित किया जाता है।

(घ) सामाजिक समर्थन और समूह चिकित्सा (Social Support & Group Therapy)

परिवार, दोस्तों और मधुमेह सहायता समूहों से भावनात्मक सहयोग मिलने से व्यक्ति में आत्म-विश्वास बढ़ता है। मधुमेह सहायता समूहों में लोग अनुभव साझा करते हैं, जिससे नए समाधान और प्रेरणा मिलती है।

(ङ) स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए व्यवहार परिवर्तन (Behavioral Changes for a Healthy Lifestyle)

- नियमित व्यायाम: शारीरिक गतिविधि से तनाव कम होता है और ब्लड शुगर नियंत्रित रहता है।
- संतुलित आहार: हेल्दी डाइट मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों के लिए फायदेमंद होती है।
- सोने और जागने की नियमित दिनचर्या: मानसिक शांति और बेहतर मेटाबॉलिज्म के लिए आवश्यक है।

मधुमेह के प्रभावी प्रबंधन के लिए मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। तनाव, अवसाद और चिंता जैसे



मनोवैज्ञानिक कारकों को नियंत्रित करके न केवल मानसिक शांति प्राप्त की जा सकती है, बल्कि मधुमेह पर भी बेहतर नियंत्रण पाया जा सकता है। सही मनोवैज्ञानिक तकनीकों और जीवनशैली में सुधार के साथ, मधुमेह रोगी एक स्वस्थ और खुशहाल जीवन जी सकते हैं।



Edit with WPS Office